प्रकृति महाकुंभ

पर्यावरण एवं वानिकी चेतना शिविर का

माननीय महानिदेशक

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून द्वारा भ्रमण

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून द्वारा प्रकृति महाकुंभ–2025 पर्यावरण एवं वानिकी चेतना शिविर, पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा स्थापित शिविर का माननीय महानिदेशक, श्रीमती कंचन देवी, भा.व.से., महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद एवं कुलाधिपति, वन अनुसंधान संस्थान समविश्वविद्यालय, देहरादून द्वारा दिनांक 15.02.2025 को भ्रमण किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने माननीय महानिदेशक का स्वागत करते हुए कहा कि वन और नदी पारिस्थितिकी तंत्र एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। वनों के संरक्षण एवं वन क्षेत्र बढ़ाने से नदियों की स्वच्छता एवं अविरलता सुनिश्चित होती है। माननीय महानिदेशक ने उद्बोधन में नदी पुनरूद्धार एवं पर्यावरण सुधार के लिए परिषद की ओर से देश की 14 प्रमुख नदियों को पुनर्जीवित करने के उपक्रमों के बारे में जानकारी दिया साथ ही पूर्वी उत्तर प्रदेश में गंगा नदी के पुनरूद्धार व प्रयागराज केन्द्र के प्रयासों की सराहना किया। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रदर्शन शिविर समन्वयक श्री आलोक यादव ने पर्यावरण एवं वानिकी चेतना शिविर के क्रियाकलापो की जानकारी दिया। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा मुख्य अतिथि को चेतना शिविर का भ्रमण कराया गया, जिसमें विशेषतः बाँस गैलरी, कृषिवानिकी एवं मियावाकी पद्धति के सजीव मॉडल्स, औषधीय पौधे, बायोप्रोडक्ट्स, पर्यावरण शपथ–डेस्क, राशि–चक्र एवं वानिकी सम्बन्धी प्रसार सामग्री आदि से अवगत कराया गया। आभार ज्ञापन केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर तथा संचालन डॉ. अनुभा श्रीवास्तव द्वारा किया गया। कार्यक्रम में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दूबे तथा तकनीकी सहायक, धर्मेन्द्र कुमार आदि ने भाग लिया।

Sangam, Prayagraj

ENVIRONMENT
Sanjay Singh
Kanchan Devi

FORESTRY AND ENVIRONMENT AWARENESS
INDIAN COUNCIL OF FORESTRY RESEARCH & EDUCATION,

पर्यावरण हितैषी
स्वास्थ्य के लिए हानिरहित
अपघटन योग्य
उपयोग में प्रभावशाली
स्वागतम
भारतीय वानिकी अनुसंधा
दिनांक -
प्रकृति
वानिकी एवं पर्यावर
भा०वा०अ०शि०प०-पारिस्थितिक
3/1, लाजपत राय रोड, नया क
INDI

TREE RICH BIOBOOSTER

WASTE TO WEALTH

BIOBOOSTER
WEALTH

Poplar Farming

TREE RICH BIOBOOST
LiFE

PLEDGE FOR ENVIRONMENT
I pledge to make all possible changes in my life style to protect the nature and environment. I resolve to tree planting and forest conservation. I also commit to continuously motivate my family, friends and other common people about the importance of environment, positive behaviour.
हमारे अतिथि OUR GUEST
बीती शाम तक Till Last Evening
83500

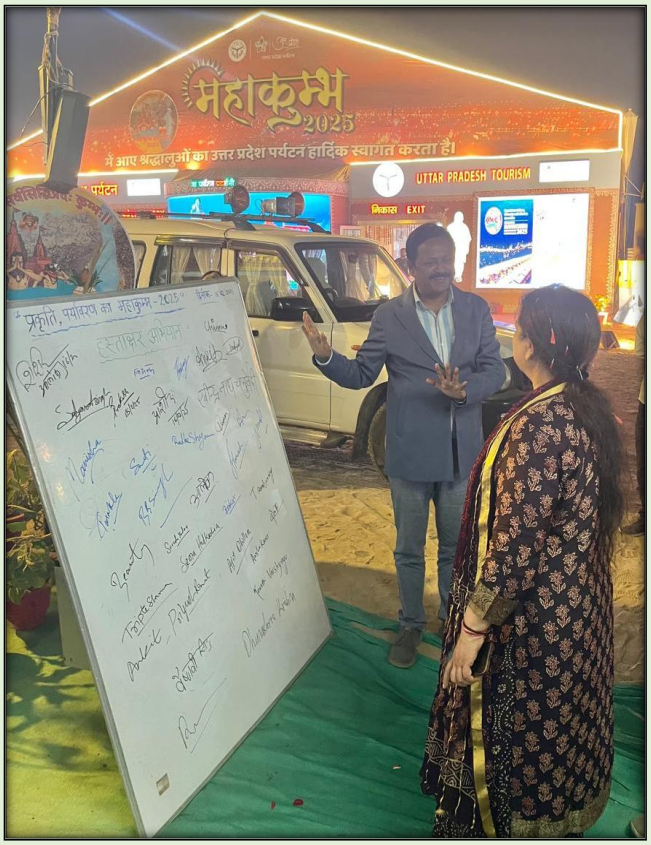

महाकुम्भ 2025
में आए श्रद्धालुओं का उत्तर प्रदेश पर्यटन हार्दिक स्वागत करता है।
UTTAR PRADESH TOURISM
निकास EXIT
प्रकृति, पर्यावरण का महाकुम्भ - 2025
हस्ताक्षर अभियान

MELIA DUBIA BASED AGROFORESTRY MODEL
ENHANCING FOREST PRODUCTIVITY AND BIODIVERSITY CONSERVATION

Amla, Kochila, Rakt Chandan
Ber, Mahua, Neem
Kadamb, Aam
Nariyal, Shami
ARIES
TAURUS
GEMINI
CANCER
PISCES
AQUARIUS
CAPRICORN
SAGITTARIUS

THINK GREEN
LIVE GREEN

GREEN DIGEST
Poplar Farming

Welcome

वानिकी उपक्रमों से होगा नदी पुनरुद्धार : कंचन देवी

संगम शपथ संवाददाता

प्रयागराज। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के निर्देशन में पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा महाकुम्भ-2025 में चल रहे प्रकृति महाकुम्भ - पर्यावरण एवं वानिकी चेतना शिविर में वृक्षारोपण के माध्यम से नदी पुनरुद्धार एवं पर्यावरण सुधार विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी की मुख्य अतिथि कंचन देवी, महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद एवं कुलाधिपति वन अनुसंधान संस्थान समविश्वविद्यालय, देहरादून द्वारा नदी पुनरुद्धार एवं पर्यावरण सुधार हेतु परिषद द्वारा देश भर की 14 प्रमुख नदियों को पुनर्जीवित करने के उपक्रमों के सम्बन्ध में विस्तृत व्याख्यान दिया।

साथ ही पूर्वी उत्तर प्रदेश में गंगा नदी के पुनरुद्धार पर प्रयागराज केन्द्र द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने नदी पुनरुद्धार एवं पर्यावरण सुधार में वानिकी की भूमिका पर चर्चा करते हुए बताया कि वन और नदी पारिस्थितिकी तंत्र एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। वनों के संरक्षण एवं वन क्षेत्र बढ़ाने से नदियों की स्वच्छता एवं अविरलता सुनिश्चित होती है। शिविर समन्वयक एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव द्वारा महानिदेशक एवं उपस्थित गणमान्य अतिथियों को स्थापित प्रदर्शनी का भ्रमण कराया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। उक्त आयोजित संगोष्ठी में लगभग 50 वैज्ञानिक एवं पर्यावरणविद सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का सफल संचालन केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

AIN भारत

महाराजगंज गोरखपुर संत कबीर नगर बस्ती सिद्धार्थ

Home / वानिकी उपक्रमों से होगा नदी पुनरुद्धार : कंचन देवी

उत्तर प्रदेश

वानिकी उपक्रमों से होगा नदी पुनरुद्धार : कंचन देवी

1 min read

19 hours ago अशोक कुमार मिश्रा

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के निर्देशन में पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा महाकुम्भ-2025 में चल रहे प्रकृति महाकुम्भ – पर्यावरण एवं वानिकी चेतना शिविर में वृक्षारोपण के माध्यम से नदी पुनरुद्धार एवं पर्यावरण सुधार विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी की मुख्य अतिथि कंचन देवी, महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद एवं कुलाधिपति वन अनुसंधान संस्थान समविश्वविद्यालय, देहरादून द्वारा नदी पुनरुद्धार एवं पर्यावरण सुधार हेतु परिषद द्वारा देश भर की 14 प्रमुख नदियों को पुनर्जीवित करने के उपक्रमों के सम्बन्ध में विस्तृत व्याख्यान दिया। साथ ही पूर्वी उत्तर प्रदेश में गंगा नदी के पुनरुद्धार पर प्रयागराज केन्द्र द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने नदी पुनरुद्धार एवं पर्यावरण सुधार में वानिकी की भूमिका पर चर्चा करते हुए बताया कि वन और नदी पारिस्थितिकी तंत्र एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। वनों के संरक्षण एवं वन क्षेत्र बढ़ाने से नदियों की स्वच्छता एवं अविरलता सुनिश्चित होती है। शिविर समन्वयक एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव द्वारा महानिदेशक एवं उपस्थित गणमान्य अतिथियों को स्थापित प्रदर्शनी का भ्रमण कराया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। उक्त आयोजित संगोष्ठी में लगभग 50 वैज्ञानिक एवं पर्यावरणविद सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का सफल संचालन केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

वानिकी उपक्रमोंसे होगा नदी पुनरुद्धार : महानिदेशक

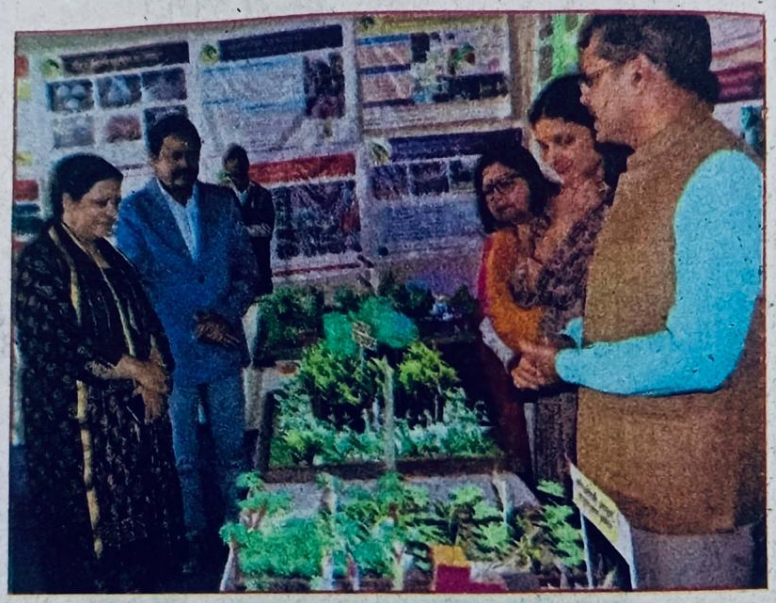

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के निर्देशन में पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र द्वारा महाकुम्भ-२०२५ में चल रहे प्रकृति महाकुम्भ-पर्यावरण एवं वानिकी चेतना शिविर में वृक्षारोपण के माध्यम से नदी पुनरुद्धार एवं पर्यावरण सुधार विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी की मुख्य अतिथि कंचन देवी महानिदेशक भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद एवं कुलाधिपति वन अनुसंधान संस्थान समविश्वविद्यालय देहरादून द्वारा नदी पुनरुद्धार एवं पर्यावरण सुधार हेतु परिषद द्वारा देश भर की १४ प्रमुख नदियों को पुनर्जीवित करने के उपक्रमों के सम्बन्ध में विस्तृत व्याख्यान दिया। साथ ही पूर्वी उत्तर प्रदेश में गंगा नदी के पुनरुद्धार पर प्रयागराज केन्द्र द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। केन्द्र प्रमुख डा.संजय सिंह ने नदी पुनरुद्धार एवं पर्यावरण सुधार में वानिकी की भूमिका पर चर्चा करते हुए बताया कि वन और नदी पारिस्थितिकी तंत्र एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। वनों के संरक्षण एवं वन क्षेत्र बढ़ाने से नदियों की स्वच्छता एवं अविरलता सुनिश्चित होती है। शिविर समन्वयक एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव द्वारा अतिथियों को स्थापित प्रदर्शनी का भ्रमण कराया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डा.अनीता तोमर द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। उक्त आयोजित संगोष्ठी में लगभग पचास वैज्ञानिक एवं पर्यावरणविद सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का संचालन केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डा.अनुभा श्रीवास्तव ने किया।

वानिकी उपक्रमों से होगा नदी पुनरुद्धार : कंचन देवी

(सहजसत्ता संवाददाता)

प्रयागराज। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के निर्देशन में पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा महाकुम्भ-2025 में चल रहे प्रकृति महाकुम्भ - पर्यावरण एवं वानिकी चेतना शिविर में वृक्षारोपण के माध्यम से नदी पुनरुद्धार एवं पर्यावरण सुधार विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी की मुख्य अतिथि कंचन देवी, महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद एवं कुलाधिपति वन अनुसंधान संस्थान समविश्वविद्यालय, देहरादून द्वारा नदी पुनरुद्धार एवं पर्यावरण सुधार हेतु परिषद द्वारा देश भर की 14 प्रमुख नदियों को पुनर्जीवित करने के उपक्रमों के सम्बन्ध में विस्तृत व्याख्यान दिया। साथ ही पूर्वी उत्तर प्रदेश में गंगा नदी के पुनरुद्धार पर प्रयागराज केन्द्र द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने नदी पुनरुद्धार एवं पर्यावरण सुधार में वानिकी की भूमिका पर चर्चा करते हुए बताया कि वन और नदी पारिस्थितिकी तंत्र एक दूसरे से जुड़े हुए हैं।

वनों के संरक्षण एवं वन क्षेत्र बढ़ाने से नदियों की स्वच्छता एवं अविरलता सुनिश्चित होती है। शिविर समन्वयक एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव द्वारा महानिदेशक एवं उपस्थित गणमान्य अतिथियों को स्थापित प्रदर्शनी का भ्रमण कराया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। उक्त आयोजित संगोष्ठी में लगभग 50 वैज्ञानिक एवं पर्यावरणविद सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का सफल संचालन केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

वानिकी उपक्रमों से होगा नदी का पुनरुद्धार

संगोष्ठी

महाकुम्भ में चल रहे प्रकृति महाकुम्भ पर्यावरण एवं वानिकी चेतना शिविर में पौधरोपण के माध्यम से नदी पुनरुद्धार एवं पर्यावरण सुधार विषय पर हुई संगोष्ठी में महानिदेशक भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद कंचन देवी का अभिनंदन किया गया।

महाकुम्भ नगर, संवाददाता। सेक्टर एक में स्थित भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के निर्देशन में संचालित पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र में प्रकृति महाकुम्भ पर्यावरण एवं वानिकी चेतना शिविर में सोमवार को संगोष्ठी आयोजित की गई।

पौधरोपण के माध्यम से नदी पुनरुद्धार एवं पर्यावरण सुधार विषय हुई संगोष्ठी में मुख्य अतिथि महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद एवं कुलाधिपति वन अनुसंधान संस्थान समविश्वविद्यालय, देहरादून की महानिदेशक कंचन देवी ने विचार व्यक्त किए। उन्होंने नदी पुनरुद्धार एवं पर्यावरण सुधार के लिए परिषद की ओर से देश की 14 प्रमुख नदियों को पुनर्जीवित करने के उपक्रमों के बारे में जानकारी दी। साथ ही पूर्वी उत्तर प्रदेश में गंगा नदी के पुनरुद्धार व प्रयागराज केंद्र के प्रयासों की सराहना की। केंद्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने नदी पुनरुद्धार एवं पर्यावरण सुधार में वानिकी की भूमिका पर विवार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि वन और नदी पारिस्थितिकी तंत्र एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। वनों के संरक्षण एवं वन क्षेत्र बढ़ाने से नदियों की स्वच्छता एवं अविरलता सुनिश्चित होती है। आभार ज्ञापन वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर संचालन वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने किया। शिविर समन्वयक आलोक यादव, अंकुर श्रीवास्तव, वैज्ञानिक व पर्यावरणविद मौजूद रहे।

वानिकी उपक्रमों से होगा नदी पुनरुद्धार : कंचन देवी

कार्यालय संवाददाता

प्रयागराज। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के निर्देशन में पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा महाकुम्भ-2025 में चल रहे प्रकृति महाकुम्भ - पर्यावरण एवं वानिकी चेतना शिविर में वृक्षारोपण के माध्यम से नदी पुनरुद्धार एवं पर्यावरण सुधार विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी की मुख्य अतिथि कंचन देवी, महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद एवं कुलाधिपति वन अनुसंधान संस्थान समविश्वविद्यालय, देहरादून द्वारा नदी पुनरुद्धार एवं पर्यावरण सुधार हेतु परिषद द्वारा देश भर की 14 प्रमुख नदियों को पुनर्जीवित करने के उपक्रमों के सम्बन्ध में विस्तृत व्याख्यान दिया।

साथ ही पूर्वी उत्तर प्रदेश में गंगा नदी के पुनरुद्धार पर प्रयागराज केन्द्र द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने नदी पुनरुद्धार एवं पर्यावरण सुधार में वानिकी की भूमिका पर चर्चा करते हुए बताया कि वन और नदी पारिस्थितिकी तंत्र एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। वनों के संरक्षण एवं वन क्षेत्र बढ़ाने से नदियों की स्वच्छता एवं अविरलता सुनिश्चित होती है। शिविर समन्वयक एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव द्वारा महानिदेशक एवं उपस्थित गणमान्य अतिथियों को स्थापित प्रदर्शनी का भ्रमण कराया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। उक्त आयोजित संगोष्ठी में लगभग 50 वैज्ञानिक एवं पर्यावरणविद सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का सफल संचालन केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

Forestry initiatives will lead to river revival: Kanchan Devi

Staff Reporter

Prayagraj: Under the guidance of Indian Council of Forestry Research and Education, Ecological Restoration Center, Prayagraj organized a one-day seminar on the subject of river revival and environmental improvement through tree plantation in the ongoing Prakriti Mahakumbh - Environment and Forestry Awareness Camp in Mahakumbh-2025. Chief Guest of the seminar Kanchan Devi, Director General, Indian Council of Forestry Research and Education and Chancellor Forest Research Institute Deemed University, Dehradun gave a detailed lecture regarding the initiatives of the Council to revive 14 major rivers across the country for river revival and environmental improvement. Also, the efforts being made by Prayagraj Center on the revival of Ganga River in eastern Uttar Pradesh were appreciated. Center Head Dr. Sanjay Singh, while discussing the role of forestry in river revival and environmental improvement, said that forest and river ecosystems are interconnected. Conservation of forests and increasing forest area ensures cleanliness and continuity of rivers. Camp coordinator and senior scientist Alok Yadav took the Director General and the dignitaries present on a tour of the exhibition set up. Senior scientist Dr. Anita Tomar gave the vote of thanks. About 50 scientists and environmentalists participated in the above-mentioned seminar. The program was successfully conducted by the centre's senior scientist Dr. Anubha Shrivastava.

वानिकी उपक्रमों से होगा नदी पुनरुद्धार -कंचन देवी

उर्ध्व नेत्र

प्रयागराज।भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के निर्देशन में पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा महाकुम्भ–2025 में चल रहे प्रकृति महाकुम्भ – पर्यावरण एवं वानिकी चेतना शिविर में वृक्षारोपण के माध्यम से नदी पुनरुद्धार एवं पर्यावरण सुधार विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी की मुख्य अतिथि कंचन देवी, महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद एवं कुलाधिपति वन अनुसंधान संस्थान समविश्वविद्यालय, देहरादून द्वारा नदी पुनरुद्धार एवं पर्यावरण सुधार हेतु परिषद द्वारा देश भर की 14 प्रमुख नदियों को पुनर्जीवित करने के उपक्रमों के

सम्बन्ध में विस्तृत व्याख्यान दिया। साथ ही पूर्वी उत्तर प्रदेश में गंगा नदी के पुनरुद्धार पर प्रयागराज केन्द्र द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने नदी पुनरुद्धार एवं पर्यावरण सुधार में वानिकी की भूमिका पर चर्चा करते हुए बताया कि वन और नदी पारिस्थितिकी तंत्र एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। वनों के संरक्षण एवं वन क्षेत्र बढ़ाने से नदियों की स्वच्छता एवं अविरलता सुनिश्चित होती है। शिविर समन्वयक एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव द्वारा महानिदेशक एवं उपस्थित गणमान्य अतिथियों को स्थापित प्रदर्शनी का भ्रमण कराया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। उक्त आयोजित संगोष्ठी में लगभग 50 वैज्ञानिक एवं पर्यावरणविद सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का सफल संचालन केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव द्वारा किया गया।